2 ड्रायर को खोपडी से बालो के छोर की दिशा में चलाये

3 हमेशा गर्म हवा को क्लाइट के स्कैल्प से दूर रखो ताकि स्कैल्प मे जलन से बाल न जले।

4 ड्रायर को बालो से 6-8 इंच की दूरी पर रखकर चलाये

ताकि बाल तेज गर्मी से न जले

5 ब्लो ड्राइग के समय ब्रश और ड्रायर को एक साथ चलाये

औजारो की जानकारी

बाल काटना एक कला है बालो की ठीक ढंग से कटिंग व सेंटिग के लिए प्रयुक्त किये जाने वाले औजार निम्नलिखित है

1 कैंची - कैंची मे दो ब्लेड होते है और ब्लेड सिरे पर और अंत मे समान रूप से सतुलित होते है यह बालो को काटने के लिए उपयोग मे लायी जाती है यह जंग रहित होनी चाहिए प्रत्येक प्रयोग के उपरान्त इसे भली भांति साफ कर लेना चाहिए हेयर कटिंग की कैची से अन्य वस्तु नही काटनी चाहिए नही तो धार खराब हो जाती है

2 सैटिग क्लिप - सैटिग क्लिप बालो को सैक्शनिंग के बाद उन्हे स्कैल्प पर सैट करने के लिए प्रयोग मे लायी जाती है

3 कोम्ब - हेयर कटिंग करते समय अलग अलग प्रकार के कोम्ब का प्रयोग होता है जैसे

1 मोटे दांते वाला कोम्ब - इस कोम्ब का प्रयोग बालो के सुलझाने के लिए किया जाता है

2 बार्बर कोम्ब - कटिंग करने के लिए किया जाता है यह कोम्ब एक सिरे पर मोटी और दूसरे सिरे पर सकंरी होती है

3 टेल कोम्ब - यह कोम्ब पीछे की तरफ नुकीली पूछ के समान होती है इसलिए इसका प्रयोग हेयर कटिग मे पर्टिग करने के लिए किया जाता है

4 थिनिग सीजर - यह कैंची बालो के धनत्व को कम करने या बालो के किनारे पर जिक जैक लुक देने के लिए की जाती है यह सीजर समान रूप से बालो को नही काटती बल्कि इसमे जिक जैक के समान कट होता है जो बाल ब्लेड पर आते है वो कट जाते है और जो इसके खाचो मे चले जाते है वो नही कटते

5 रेजर - रेजर दो प्रकार के होते है एक का उपयोग गर्दन के बालो को साफ करने के लिए और दूसरे का उपयोग बालो के किनारो को पतला करने के लिए उपयोग में लाया जाता है रेजर विभिन्न आकार और प्रकार के बाजार मे उपलब्ध है।

6 एप्रेन - हेयर कटिंग के समय एप्रेन का प्रयोग करने से कटे हुये बाल कपडो पर नही चिपकते है।

7 एडगर - एडगर क्लिपर का एक छोटा रूप है यह मुख्य रूप से नेक लाइन और कानो के आसपास के अतिरिक्त या अनचाहे बालो को हटाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

8 क्लिपर - क्लिपर का उपयोग शार्ट हेयर कट करने के लिए किया जाता है क्लिपर को बिना गार्ड शेविंग के लिए भी प्रयोग किया जाता है।

9 हेयर ड्रायर - हेयर ड्रायर का प्रयोग कटिंग से पूर्व बालो को सुखाने और कटिंग के बाद बालो को सेट करने के लिए किया जाता है।

10 वाटर स्प्रे बॉटल - इसका प्रयोग कटिंग से पूर्व बालो को गीला करने के लिए किया जाता है ताकि बालो को काटने मे असुविधा न हो क्योकि गीले बाल आराम से कट जाते है जबकि सूखे बाल काटने पर फिसलते है।

हेयर कटिंग की तकनीके

1 क्लब कटिंग क्लब कटिग को ब्लट कटिग के नाम से भी जाना जाता है इसका प्रयोग नियमित रूप से बालो के किनारो और शीर्ष को काटते हे

2 कंघी पर कैची - कंघी के उपर कैची का प्रयोग किया जाता है जब बाल उंगलियो की पकड़ से बाहर होता है जैसे नैप क्षेत्र और कान के आस पास का क्षेत्र।

3 ग्रेजुएटिंग - ग्रेजुएशन तकनीक एक प्रभाव या हेयर कट का उपयोग करती है जिसके परिणाम स्वरूप बालो का तनाव कम करने से लेकर कम से माध्यम एलीवेशन और अधिक दिशा में रखा जाता है।

4 थिनिंग स्लिदरिंग - कैचीं या रेजर से बालो को पतला धनत्व कम और स्टाइल के फीचर्स को हल्का करके रूट पर वाल्यूम बढाया जाता है।

5 टेक्सपराइजिंग - टेक्स्चराइजिंग तकनीक मे बालो को अलग अलग लम्बाई मे काटा जाता है ताकि विभ्भिन्न प्रकार के लुक तैयार किये जा सके छोटे बालो को स्पाइ की लुक देने के लिए टेक्स्चाजिं है और लम्बे और छोटे बालो के संयोजन का उपयोग करके अधिक फैशने बल लुक दिया जा सकता है

6 प्वाइंट कटिंग - प्वाइंट कटिंग एक ऐसी तकनीक है जो कैंची की युक्तियो उपयोग से लम्बे बालो के हेयर स्टाइल मे सुथरा कट देने के लिए की जाती है यह घुंघराले बालो की बनावट के लिए भी अच्छा है।

7 नोचिंग - नोचिंग प्वाइंट कटिंग के समान ही काम करता है अंतर यह है कि वाइल्ड या स्पाइ की लुक बनाने के लिए इसका उपयोग छोटी सीधी स्टाइल पर किया जाता है।

सावधानियां safety precaution

1 चेहरे के आकार का अच्छे से विश्लेषण करे।

2 कटिंग करते समय क्लाइंट को कोई कट या चोट न लगे।

3 कामकाजी महिलाओं को प्रोफेक्शन के अनुसार कटिंग करानी चाहिए।

4 बालो की कटिंग करते समय चेहरे के आकर के साथ साथ अवसर, उम्र, शरीरिक बनावट का भी ध्यान रखे।

5 कटिंग के समय बालो की लम्बाई का ध्यान रखे।

6 बालो मे जूं विकार आदि हो तो पार्लर मे कटिंग न करें